

## **IIMA PRESS RELEASE 2013-14**



### **IIMA to host its 7<sup>th</sup> Doctoral Colloquium**

IIMA, December 6, 2013: The Indian Institute of Management, Ahmedabad (IIMA) will host the seventh Doctoral Colloquium (DC) from December 9 to 11, 2013. The colloquium will be inaugurated at 9.00 a.m. on December 9, 2013 at the Ravi J Matthai Auditorium.

Prof. Arvind Sahay, Dean, Alumni and External Relations, IIMA will deliver the inaugural address and Prof. Neharika Vohra, Chairperson, Fellow Programme in Management, IIMA will deliver the welcome speech.

The keynote speakers on the inaugural day are Prof. Sumit Kundu from Florida International University, USA; Prof. Peter Stokes from University of Chester, UK and Prof. Vishwanath Pingali from IIMA who will be sharing their insights.

The second day of the colloquium will be marked by debates between acclaimed academicians and industry practitioners in the panel discussions on **“Doing and Disseminating Meaningful Research”** and **“Gender sensitization and creation of women centric workspaces”**.

The final day will have intensive doctoral workshops by Professor Dhiman Bhadra (IIMA), Professor Suresh Bhagvatulla (IIMB), Professor Vishwanath Baba (McMaster University, USA) and Professor Sucheta Nadkarni (Drexel University, USA) will further equip the participants with tools and insights, for research and publication.

Incepted in 2008, the 7<sup>th</sup> edition of the Doctoral Colloquium, expects more than 200 participants consisting of, registered PhD students, PhD graduates, Professors and representatives from the corporate sector. It will provide a platform to over 80 doctoral candidates to present their research over two days and engage in meaningful conversations with their peers and subject matter experts. Overall, the three-day event will bring together diverse discussions and workshops suited to the research needs of young doctoral candidates.

Detailed schedule is available at - <http://www.iima-dc.in/schedule.html>

### **About IIMA’s Doctoral Colloquium (DC)**

IIMA organizes the Doctoral Colloquium to provide an unique opportunity to doctoral researchers across the globe to share their research and get valuable feedback from peers and academic experts.

It is an initiative by the Fellow Programme in Management (FPM) students at IIMA, to keep alive the dialogues in field of academia. It has grown from strength to strength, and over the years, more than 250 researchers have benefitted from presenting their thesis work. To further motivate young scholars, the event will also give away best paper awards in each of the 12 tracks of presentations.

### **About IIMA Fellow Programme in Management**

IIMA’s doctoral programme provides a diverse set of opportunities for interdisciplinary education and research across eleven areas. The programme is aimed at equipping the participants with skills that are essential to identify complex research problems and conduct inquiry and make scholarly contribution to the field of management. This usually spans to a little over four years including periods of intensive coursework and the doctoral dissertation, with the coursework aimed at developing the research interests and professional goals of the participants. The programme currently has 92 students across different areas.

## आईआईएमए प्रेस विज्ञप्ति 2013-14

### **आईआईएमए-ए अपने 7वें डॉक्टोरल संवर्धन की मेजबानी करेगा**

आईआईएमए, 6 दिसंबर 2013: भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद 09 से 11 दिसंबर 2013 तक अपने सातवें डॉक्टोरल संवर्धन की मेजबानी करेगा। इस संवर्धन का उद्घाटन 09 दिसंबर 2013 को सुबह 0900 बजे रवि जे. मथाई सभागार में किया जायेगा।

आईआईएमए के प्रोफेसर अरविंद सहाय, डीन, पूर्वछात्र एवं विदेशी संबंध, उद्घाटन भाषण देंगे तथा आईआईएमए के प्रबंधन में फेलो कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर निहारिका वोहरा स्वागत भाषण देंगी।

उद्घाटन दिवस पर मुख्य वक्ताओं में फ्लोरिडा अंतरराष्ट्रीय यूनिवर्सिटी अमेरिका के प्रोफेसर सुमित कुंडु, चेस्टर यूनिवर्सिटी, यूके के प्रोफेसर पीटर स्टोक्स एवं आईआईएमए के प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगाली अपनी अंतर्दृष्टि साझा करेंगे।

संवर्धन के दूसरे दिन पेनल चर्चा के अंतर्गत “सार्थक अनुसंधान करना एवं उसका प्रसार” तथा “लैंगिक संवेदीकरण और महिला केंद्रित कार्यस्थलों का निर्माण” विषयों पर प्रसिद्ध शिक्षाविदों और उद्योग जगत के दिग्गजों के बीच बहस होगी।

आखिरी दिन प्रोफेसर धीमन भद्रा (आईआईएमए), प्रोफेसर सुरेश भगवतुल्ला (आईआईएमबी), प्रोफेसर विश्वनाथ बाबा (मैकमास्टर यूनिवर्सिटी, अमेरिका) एवं प्रोफेसर सुचेता नाडकर्णी (ट्रेक्सल यूनिवर्सिटी, अमेरिका) द्वारा प्रस्तुत सघन डॉक्टरेट कार्यशालाओं से प्रतिभागियों को अनुसंधान एवं प्रकाशन के लिए साधन एवं अंतर्दृष्टि से और भी सुसज्ज किया जाएगा।

सन् 2008 में प्रारंभ हुए डॉक्टरेट संवर्धन के इस 7वें संस्करण में 200 से अधिक प्रतिभागी आने की उम्मीद है, जिसमें पीच.डी. छात्रों, पीएच.डी. स्नातकों, प्रोफेसरों एवं कॉर्पोरेट सैक्टर के प्रतिनिधियों ने नाम दर्ज कराए हैं। दो दिन तक अपने अनुसंधान प्रस्तुत करने के लिए लगभग 80 से अधिक डॉक्टरेट प्रत्याशियों को इससे एक मंच उपलब्ध होगा और अपने साथियों तथा विषय के विशेषज्ञों के साथ अर्थपूर्ण वार्तालाप कर सकेंगे। कुल मिलाकर, तीन-दिवसीय इस समारोह में युवा डॉक्टरेट प्रत्याशियों की अनुसंधान जरूरतों के अनुरूप विविध चर्चाएँ एवं कार्यशालाएँ होंगी।

<http://www.iima-dc.in/schedule.html> लिंक पर जाकर कृपया विवरणों की सूची देखें।

### **आईआईएमए के डॉक्टरेट संवर्धन (डीसी) के बारे में**

आईआईएमए विश्वभर में अपने अनुसंधान को साझा करने के लिए डॉक्टरेट अनुसंधानकर्ताओं को एक अद्वितीय अवसर उपलब्ध कराने के लिए डॉक्टरेट संवर्धन का आयोजन करता है और साथियों तथा शैक्षिक विशेषज्ञों से अमूल्य प्रतिक्रियाएँ प्राप्त करता है।

आईआईएमए में यह पहल प्रबंधन में फेलो (एफपीएम) छात्रों द्वारा की जाती है, ताकि शिक्षाविदों के क्षेत्र में संवादों को जीवंत बनाये रखा जाए। इसके आँकड़े बढ़ते ही गये हैं और इतने वर्षों में, अपने शोधप्रबंध कार्य को प्रस्तुत करते हुए लगभग 250 से अधिक अनुसंधानकर्ताओं को इससे लाभ मिला है। इसके अलावा, युवा विद्वानों को प्रेरित करते हुए, इस समारोह में प्रत्येक 12 प्रस्तुतियों में श्रेष्ठ पेपर पुरस्कृत किये जाएँगे।

### **आईआईएमए प्रबंधन में फेलो कार्यक्रम के बारे में**

आईआईएमए के डॉक्टरेट कार्यक्रम से ग्यारह विषयों में अंतर-अनुशासनात्मक शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए विविध अवसर उपलब्ध होते हैं। इस कार्यक्रम का लक्ष्य प्रतिभागियों को ऐसे कौशलों से सुसज्जित करना है कि जो जटिल अनुसंधान समस्याओं को परखने में अनिवार्य हैं और पूछताछ का आयोजन करके प्रबंधन के क्षेत्र में विद्वत्तापूर्ण योगदान करना है। सघन पाठ्यक्रम कार्य एवं डॉक्टरेट शोधप्रबंध की अवधियों को समाहित करते हुए इसका आकार चार वर्ष से जरा सा अधिक है। इसमें प्रतिभागियों की अनुसंधान रुचियों एवं व्यावसायिक लक्ष्यों के विकास का उद्देश्य होता है। वर्तमान में इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों से 92 छात्र हैं।